THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS (SHRI M. S. GURUPADASWAMY): (a) and (b) To the extent information is available under Drugs (Prices Control) Order, 1987, the details are given in the attached Statement. [*See* Appendix CCIV, Annexure No. 43].

(c) and (d) Details relating to price charged and the quantity sold would be known only after complete details are received from the manufacturers.

(e) Tentative amounts has been assessed against M/s. A. P. Chemicals in respect of Paracetamol. Assessment of amount against the remaining companies which have furnished the details is in progress.

Over-invoicing by drug companies

759. DR. RATNAKAR PANDEY: Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that certain companies are over-invoicing the imports from their principals;

(b) whether it is also a fact that certain such instances have come to the notice of his Ministry;

(c) if so, what are the details thereof and action taken thereon;

(d) whether it is a fact that M/s. Hoechst are overinvoicing the imports of Diphenylpiperidine Ethyl Acetamido Bromo Methylate from their principals;

(e) whether it is also a fact that this is being imported by M/s. Unichem and Cadila also;

(f) if so, what are the sources of imports of this drug by each of these three companies and at what price was it imported by each during the last three years, year-wise; and

(g) what was the quantity imported by each party during the above period and what was the average import price of each?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS (SHRI M. S. GURUPADASWAMY): (a) to (c) Recently complaints of alleged over-invoicing of imports of 10 out of 21 bulk drugs recently included in price control were received. These are under examination.

(d) to (g) Information to the extent available would be collected and laid on the Table of the Rajya Sabha.

ईसबगोल-भूसी की बन्द फैक्ट्रियां

760. **डा० अबरार अहमद खान :** क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस समय देश में ईसबगोल-भूसी की फैक्टरियों की संख्या कितनी है और इनमें से कितनी फैक्टरियां इस समय बन्द पड़ी हैं और इनके बन्द होने के क्या कारण हैं ; और

(ख) क्या इनके बन्द होने के कारणों में से एक मुख्य कारण वाणिज्य मंत्रालय द्वारा ईसबगोल की भूसी के निर्यात पर न्यूनतम निर्यात मूल्य का लगाया जाना है, यदि हां, तो इसे समाप्त करने के लिये उद्योग मंत्रालय द्वारा क्या कदम उठाये जा रहे हैं।

उद्योग मंत्री (श्री अजीत सिंह) : (क) और (ख) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जायेगी।

राजस्थान में विमान पत्तन का दर्जा बढ़ाकर उसे अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन बनाया जाना

761. **डा. अबरार अहमद खान :** क्या नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या निकट भविष्य में राजस्थान के किसी विमान पत्तन को अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्तन में बदलने का कोई प्रस्ताव है ;

(ख) क्या पिछले 10 वर्षों के दौरान राजस्थान में किसी नये विमान पत्तन का निर्माण किया गया है अथवा किसी पुराने विमान पत्तन में कुछ विस्तार किया गया है, यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ; और

(ग) क्या निकट भविष्य में राजस्थान में किसी नई उड़ान के शुरू किये जाने की संभावना है ?

ऊर्जा मंत्री, साथ में नागर विमानन मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार (श्री आरिफ मोहम्मद खान) : (क) जी, नहीं ।

(ख) राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने पिछले 10 वर्षों के दौरान राजस्थान में किसी नये हवाई अड्डे का निर्माण नहीं किया है । तथापि, जयपुर और उदयपुर स्थित सिविल विमान क्षेत्रों और जोधपुर, जैसलमेर और बीकानेर स्थित सिविल एन्क्लेवों में कुछ विस्तार, परिवर्तन और सुधार किये गये हैं ।

(ग) जी, नहीं ।

राजस्थान में पेट्रोल/डीजल की खपत की वार्षिक दर

762. **डा. अबरार अहमद खान** : क्या पेट्रोलियम और रसायन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राजस्थान में पेट्रोल और डीजल की प्रति वर्ष खपत की मात्रा कितनी है और इस मांग को पूरा करने के लिये कितने पेट्रोल पम्पों की आवश्यकता है ;

(ख) राजस्थान में पेट्रोल और डीजल की खपत में वार्षिक वृद्धि दर क्या है ;

(ग) दिल्ली की दर के मुकाबले राजस्थान में पेट्रोल की दर लगभग 1.50 रुपये प्रति लीटर अधिक होने के क्या कारण हैं ; और

(घ) क्या सरकार सारे देश में पेट्रोल और डीजल का वितरण एक समान दर पर करा सकती है, यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

पेट्रोलियम और रसायन मंत्री (श्री एम.एस. गुरुपदस्वामी) : (क) वर्ष 1988-89 के दौरान राजस्थान में पेट्रोल और डीजल की वार्षिक खपत क्रमशः 1 लाख टन और 10.30 लाख टन थी । 31-3-90 की यथा-स्थिति को फुटकर बिक्री केन्द्रों की संख्या 869 थी ।

(ख) वर्ष 1989 की अप्रैल-दिसम्बर की अवधि के दौरान मोटर स्पिरिट तथा हाई स्पीड डीजल की हुई वास्तविक बिक्री की तुलना में अप्रैल/दिसम्बर, 1990 की अवधि के लिये खपत की वृद्धि दर नीचे दी गई है

पेट्रोल	:	20%
डीजल	:	11%

(ग) और (घ) पेट्रोल और डीजल सहित प्रमुख पेट्रोलियम उत्पादों के भंडारण स्थल मूल्य देश भर में एक समान हैं । तथापि खुदरा मूल्य ढुलाई लागत और बिक्री कर और चुंगी जैसे स्थानीय शुल्कों के कारण अलग-अलग स्थानों पर भिन्न होते हैं । देश भर में खुदरा मूल्य एक समान करना संभव नहीं है ।

Posts of advisors in the Homoepathic system of medicines

763. SHRI GHUFRAN AZAM: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state

(a) what is the number of posts of Advisors, Deputy Advisors and Assistant